(b) *Communal writings*

(i) "Mother India"

(d) and (e). Newspapers and Journalists, by and large, follow a basic, though unwritten, code developed by practice and convention. The Council decided that it would build up, in course of time, a code of ethics based on its decisions.

**Mr. Phizo's Meeting with Indian Deputy High Commissioner in U. K.**

10105. SHRI D. N. PATODIA : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state ;

(a) whether it is a fact that Naga Leader, Mr. Z. A. Phizo recently met the Indian Deputy High Commissioner, London and made some proposals on the Naga issue ;

(b) whether the Naga Leader further wants to have direct talks with the Centre on this issue ; and

(c) if so, Government's reaction thereto ?

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF PLANNING AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI INDIRA GANDHI) : (a) No, Sir.

(b) Government have received no such request.

(c) Does not arise.

**A.I.R. Station at Jhansi**

10106. SHRI S. C. SAMANTA : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) the progress made in establishing an All India Radio station of capacity of 20 kwt. at Jhansi, announced by the former Minister for Information and Broadcasting to be set up during the Fourth Five Year Plan ; and

(b) whether there are any alternate proposals in this regards, and if so, the details thereof and the action proposed to be taken thereon ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. K. SHAH) : (a) and (b). The Bundelkhand area has been surveyed, and a Station is to be established in Jhansi, and a transmitter of adequate power will be installed in that region. This is included in the present draft Fourth Five Year Plan, but further implementation will depend on the availability of resources.

**510 वर्कशाप, मेरठ छावनी**

10107. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या प्रतिरक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 510 वर्कशाप, मेरठ छावनी के कर्मचारियों के पास पर्याप्त काम नहीं है और यदि हां, तो उन्हें काम देने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है;

(ख) क्या सरकार ने नये डिजाइन की मशीनों का प्रयोग करके तथा लकड़ी के स्थान पर लोहे का प्रयोग करके निर्माण का तरीका बदल दिया है, परन्तु नये कर्मचारियों को इस नये तरीके का प्रशिक्षण नहीं दिया है जिस के फलस्वरूप कर्मचारी बेकार रहते है तथा सरकार बाहर से ठेके पर काम करवाती है; और

(ग) यदि हां, तो क्या इस नये तरीके का प्रशिक्षण कर्मचारियों को देने की किसी योजना पर विचार किया जा रहा है ?

**प्रतिरक्षा मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र)** : (क) जी नहीं; 510 आर्मी बेस वर्कशाप में कर्मचारियों के लिये पर्याप्त कार्यभार है ।

(ख) तथा (ग). मशीनों के अभिकल्पनों के प्रयोग द्वारा उत्पादन के तरीकों में वर्कशाप ने कोई परिवर्तन नहीं किया है । तदपि, देश में उपयुक्त ब्यौरे के सख्त काष्ठ की व्यापक कमी के कारण वैकल्पिक द्रव्यों जैसे कि माईल्ड स्टील चादरों और ऐंगल आयरन के प्रयोग का विचार किया जाता है, और जहां सम्भव हो अपनाया जाता है । कर्मचारियों का उचित मार्ग प्रदर्शन किया जाता है, और कोई विशेष प्रशिक्षण योजना आवश्यक नहीं समझी गई ।